



# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

## रुड़की

खण्ड-8] रुड़की, शनिवार, दिनांक 09 जून, 2007 ई0 (ज्येष्ठ 19, 1929 शक सम्वत्) [संख्या-23

### विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक घन्टा
सम्पूर्ण गजट का मूल्य	—	₹0
भाग 1-विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	—	3075
भाग 1-क-नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञाएँ, विज्ञप्तियाँ इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	111-115	1500
भाग 2-आज्ञाएँ, विज्ञप्तियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण	251-259	1500
भाग 3-स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया	—	975
भाग 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड	—	975
भाग 5-एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड	—	975
भाग 6-बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटीयों की रिपोर्ट	—	975
भाग 7-इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियाँ	—	975
भाग 8-सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि	—	975
स्टोर्स पर्वज-स्टोर्स पर्वज विभाग का क्रोड़-पत्र आदि	—	1425

## भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

## महिला सशक्तिकरण, बाल विकास एवं सैनिक कल्याण अनुभाग

## कार्यालय ज्ञाप

03 मई, 2007 ई०

संख्या 129/XVII(2)/2007-निदेशालय, सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्र संख्या 1002/नियु0अधि0/सै0क0-1, दिनांक 14 मार्च, 2007 एवं 1003/सविदा अधि0/सै0क0-1/93, दिनांक 23 मार्च, 2007 के क्रम में विभागीय कार्यों एवं दायित्वों के बढ़ते स्वरूप एवं आवश्यकता के देखते हुये जिला सैनिक कल्याण अधिकारी, चम्पावत के पद पर कार्यरत ले० कर्नल (अ०प्र०) श्री एस०एस० चौधरी की कार्य अवधि, दिनांक 03-04-2007 को समाप्त होने के फलस्वरूप 02 वर्ष हेतु दिनांक 04 अप्रैल, 2007 से 04 अप्रैल, 2009 तक निदेशालय सैनिक कल्याण में रिक्त उप निदेशक पद के सापेक्ष निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन पुनर्नियुक्ति किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष आज्ञा प्रदान करते हैं, बशर्ते कि ये पद इसके पूर्व समाप्त न कर दिया जाये तथा सेवाये 01 माह का नोटिस अथवा उसके स्थान पर 01 माह का वेतन देकर उसके पूर्व समाप्त न कर दी जाये।

1. श्री एस०एस० चौधरी की सेवाये 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण करने अथवा 02 वर्ष की कार्य अवधि सविदा के आधार पर, जो भी पूर्व में हो, तक के लिए है, सविदा वृद्धि न किये जाने पर यह स्वतः ही समाप्त समझी जायेगी।

2. वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-2, भाग 2-4 के सहायक नियम 157(ए) के अधीन तथा तद्विषयक समय-समय पर निर्गत सामान्य आदेशों के अनुसार उन्हें अस्थायी कर्मचारियों के अनुसार अवकाश देय होगा।

3. बढी हुई उक्त सविदा अवधि में अधिकारियों की शेष सेवा शर्तें वहीं रहेगी जो प्रथम नियुक्ति आदेश में उल्लिखित हैं। निदेशक, सैनिक कल्याण उक्त अधिकारियों की सुसंगत सेवा शर्तों को स्वीकार करने संबंधी कार्मिक विभाग द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार अनुबन्ध पत्र पर अधिकारियों के हस्ताक्षर प्राप्त कर शासन को एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे तथा जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारियों की कार्य संतोषजनक आख्या संबंधित जिलाधिकारी से प्राप्त कर अनुबन्ध-पत्र के साथ संलग्न कर उपलब्ध करायी जायेगी।

4. उक्त पद के सापेक्ष पुनर्नियुक्ति पर कोई यात्रा भत्ता अनुमन्य नहीं होगा।

आज्ञा से,

राधा रतूड़ी,  
सचिव।

## चिकित्सा अनुभाग-2

## विज्ञप्ति/नियुक्ति

18 मई, 2007 ई०

संख्या 413/XXVIII-2-2007-156/2006-राज्यपाल महोदय कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से पी०एम०एच०एस० संवर्ग उत्तराखण्ड के ज्येष्ठ श्रेणी वेतनमान रु० 10000-325-15200 में कार्यरत निम्नलिखित चिकित्साधिकारियों के नियमित घनोपरान्त संयुक्त निदेशक के पद पर वेतनमान रु० 12000-375-16500 में अस्थाई रूप से पदोन्नत करते हुये उन्हें उनके वर्तमान तैनाती के स्थान पर तैनात करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

क्र०स०	नाम/पदनाम	वर्तमान तैनाती
1	2	3
1.	डा० हेमचन्द्र जोशी	वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट, जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़
2.	डा० हरीश चन्द्र शर्मा	वरिष्ठ एनेस्थेतिस्ट, बी०डी० पाण्डे (पुरुष) चिकि०, नैनीताल
3.	डा० वन्द सिंह हथोकी	कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी, नैनीताल



1	2	3
4.	डा० भरत किशोर	वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट, बेस चिकि०, श्रीनगर, पौड़ी सम्बद्ध जिला चिकि०, पौड़ी
5.	डा० प्रबोध कुमार चन्दोला	कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी, रुद्रप्रयाग
6.	डा० राजेन्द्र सिंह टोलिया	जिला कुष्ठ अधिकारी, ऊधमसिंह नगर
7.	डा० बसन्त लाल वर्मा	कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, बी०डी० पाण्डे (पुरुष) चिकि०, नैनीताल
8.	डा० जे०पी० मट्ट	वरिष्ठ रेडियोलॉजिस्ट, बेस चिकि०, हल्द्वानी, नैनीताल
9.	डा० गणेश चन्द्र बौठियाल	वरिष्ठ एनेस्थेतिस्ट, दून चिकि०, देहरादून
10.	डा० बी०डी० नरियाल	वरिष्ठ विशेषज्ञ, बेस चिकि०, अल्मोडा
11.	डा० दिनकर नारायण ध्यानी	अधीक्षक, पुलिस चिकित्सालय, देहरादून
12.	डा० अनिल शाह	वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट, बी०डी० पाण्डे (पुरुष) चिकि०, नैनीताल
13.	डा० नवीन झाँ	वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ, बी०डी० पाण्डे (पुरुष) चिकि०, नैनीताल
14.	डा० विनोद कुमार वाही	वरिष्ठ एनेस्थेतिस्ट, दून चिकित्सालय, देहरादून
15.	डा० धन लाल शाह	अधीक्षक, जिला चिकि०, बौराडी, टिहरी
16.	डा० प्रेमलाल	जिला क्षयरोग अधिकारी, हरिद्वार
17.	डा० अनिल कुमार	वरिष्ठ चिकित्साधिकारी, कोरोनेशन चिकि०, देहरादून
18.	डा० (श्रीमती) सुमन आर्या	राज्य एड्स नियंत्रण इकाई, देहरादून
19.	डा० तारा देवी आर्या	वरिष्ठ चिकित्साधिकारी, महिला चिकि०, हल्द्वानी, नैनीताल
20.	डा० हरीश लाल	वरिष्ठ चिकित्साधिकारी, (स्टोर) कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, नैनीताल
21.	डा० कुन्दन कुमार टम्टा	वरिष्ठ सर्जन, जिला चिकि०, हरिद्वार।

2. उपरोक्त प्रोन्नत संयुक्त निदेशकों को एक वर्ष की विहित परीक्षा अवधि में रखा जाता है।

### विज्ञप्ति/नियुक्ति

22 मई, 2007 ई०

संख्या 363/XXVIII-2-2007-92/2006-राज्यपाल महोदय कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से पी०एम०एच०एस० संघर्ष उत्तराखण्ड के निम्नलिखित अपर निदेशकों को नियमित वयनोपरान्त निदेशक के पद पर वेतनमान रु० 18400-22400 में अस्थाई रूप से प्रोन्नति प्रदान करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. डा० भुवन चन्द्र पाठक  
अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय,  
बन्दर नगर, देहरादून।
2. डा० कुन्दन सिंह मेहता  
अपर निदेशक, चिकि० स्त्रा० एवं परि० क०,  
गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।

2-उक्त अधिकारियों को निदेशक के पद पर 06 माह की विहित परीक्षा अवधि पर रखा जाता है।

आज्ञा से,

मनीषा पेंवार,  
सचिव।

**श्रम एवं सेवायोजन विभाग****शुद्धि पत्र**

23 मई, 2007 ई०

संख्या 479/VIII/150-श्रम/01-कार्यालय झाप संख्या 190/VIII/04-विविध/07, दिनांक 6 मार्च, 2007 के प्रस्तर 2 में उल्लिखित श्री ए०पी० अमोली, अध्यक्ष, राज्य सलाहकार सविदा श्रम बोर्ड उत्तराखण्ड की नियुक्ति एवं राज्यमंत्री स्तर के तहत अनुमन्य सुविधाओं को तात्कालिक प्रभाव से समाप्त किया गया है, के स्थान पर निम्नवत् पढ़ा जाये :-

क्रमांक 5 पर अंकित श्री ए०पी० अमोली, अध्यक्ष, राज्य सलाहकार सविदा श्रम बोर्ड, उत्तराखण्ड के नाम को विलुप्त करते हुए इनका कार्यकाल शासन की अधिसूचना संख्या : 1634/VIII/150-श्रम/2001, दिनांक 13, सितम्बर 2006 के अनुसार दिनांक 17 अगस्त, 2007 तक यथावत् रहेगा, मात्र राज्यमंत्री स्तर तथा अनुमन्य सुविधाओं को तात्कालिक प्रभाव से समाप्त किया जाता है।

2-उक्त कार्यालय झाप को इस सीमा तक ही संशोधित समझा जाये, शेष प्रस्तर यथावत् रहेंगे।

अंजली प्रसाद,  
सचिव।

**वित्त अनुभाग-6****विज्ञप्ति/सेवानिवृत्ति**

11 मई, 2007 ई०

संख्या 143/XXVII(6)/2007-राष्ट्रीय बचत निदेशालय में संयुक्त निदेशक, वेतनमान रु० 12000-16500 के पद पर कार्यरत श्री मनोहर सिंह पोखरिया, 60 वर्ष की अधिवर्षता आयु पूर्ण करने के उपरान्त दिनांक 31-01-2008 को सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो जायेंगे।

एन०एन० थपलियाल,  
अपर सचिव।

**राजस्व विभाग****अधिसूचना**

21 मई, 2007 ई०

संख्या 208/18(1)/2007-राज्यपाल, उत्तर प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1901 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 3, वर्ष 1901) (उत्तराखण्ड में यथा प्रवृत्त) की धारा 48 के अधीन प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुये, यह सहर्ष घोषणा करते हैं कि जिला ऊधमसिंह नगर की तहसील गदरपुर के निम्नलिखित 01 ग्राम में, जिसे विज्ञप्ति संख्या 49(2)/94-81-94-रा०-14, दिनांक 2 जून, 1995 के द्वारा सर्वेक्षण एवं अभिलेख क्रियाओं के अधीन रखा गया था, उक्त क्रियाये इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से बन्द की जाती हैं :-

जिला	तहसील/परगना	ग्राम का नाम
1	2	3
ऊधमसिंह नगर	गदरपुर	1. गिरधरनगर

आज्ञा से,

पी०एस० जंगपाणी,  
अपर सचिव।

In pursuance of the provisions of Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 208/18(1)/2007, dated May 21, 2007 for general information :

## NOTIFICATION

May 21, 2007

**No. 208/18(1)/2007**—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Uttar Pradesh Land Revenue Act, 1901 (Act No. 3 of 1901) (as applicable to the State of Uttarakhand), the Governor is pleased to declare the following 1 village of Tehsil Gadarpur which was kept under survey and record operations vide Notification No. 49(2)/94-81-94-Rev.-14, Dated 2 June, 1995 is being closed for such operations from the date of publication of this notification in the official Gazette.

Name of District	Name of Tehsil/Pargana	Name of village
1	2	3
Udhamsingh Nagar	Gadarpur	1. Girdharpur

By Order,

**P. S. JANGPANGI,**  
Additional Secretary.





# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक ०९ जून, २००७ ई० (ज्येष्ठ १९, १९२९ शक सम्वत्)

भाग १-क

नियम, कार्य-विधियाँ, आझाएँ, विज्ञापितियाँ इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

HIGH COURT OF UTTARAKHAND  
AT NAINITAL

NOTIFICATION

May 11, 2007

No. 70/XIV/25/Admin. A/2007—Sri R. C. Maulekhi, District & Sessions Judge, Champawat, is hereby sanctioned earned leave for 10 days i.e. from 25.04.2007 to 04.05.2007.

May 16, 2007

No. 71/XIV-63/Admin. A/2007—Ms. Neetu Joshi, Addl. Chief Judicial Magistrate, Kashipur, Distt. Udham-singh Nagar, is hereby sanctioned earned leave for 13 days, i.e. from 23.04.2007 to 05.05.2007 with permission to prefix 22.04.2007 and suffix 06.05.2007 as Sundays.

By Order of the Court,

Sd/-

RAVINDRA MAITHANI,  
Additional Registrar.

May 18, 2007

No. 72/UHC/Admin. A/2007—In exercise of the powers conferred by clause (2) of Article 239 of the Constitution of India and all other powers enabling in that behalf, Hon'ble the Chief Justice has been pleased to make the following amendments in Allahabad High Court Officers and Staff (Conditions of Service and Conduct) Rules, 1976, applicable to Uttarakhand under U.P. Reorganization Act, 2000:—

## AMENDMENT

Rule 20(a) be incorporated as follows:—

"Assistant Registrar—By promotion from amongst Section Officers."

Rule 20 (a) be numbered as 20 (a-1).

Rule 22 III & IV be deleted.

Rule 22 III be substituted as follows:—

"Whenever it is required to make selection to the post of Assistant Registrar, the Registrar General shall prepare a list of Section Officers in order of seniority and shall place the list together with the Character Roll of the Section Officers and other relevant record pertaining to them before the Chief Justice, who may select the candidates himself or on the recommendation of Committee formed by the Chief Justice for the purpose.

The criteria for selection in each case shall be merit with due regard to seniority."

**Note :** This amendment will come into force with immediate effect.

By Order of Hon'ble the Chief Justice,

Sd /—

V.K. MAHESHWARI,  
Registrar General.

May 21, 2007

**No. 73/XIV-62/Admin. A/2007**--Sri Amit Kumar Sirohi, the then Chief Judicial Magistrate, Udham Singh Nagar, is hereby sanctioned medical leave for 11 days i.e. from 30.04.2007 to 10.05.2007.

May 21, 2007

**No. 74/XIV-62/Admin. A/2007**--Sri Amit Kumar Sirohi, the then Chief Judicial Magistrate, Udham Singh Nagar, is hereby sanctioned medical leave for 14 days i.e. from 09.04.2007 to 22.04.2007.

May 23, 2007

**No. 75/XIV-82/Admin. A/2007**--Smt. Preeti Sharma, the then Civil Judge (Jr. Div.), Dehradun, is hereby sanctioned earned leave for 10 days i.e. from 03.05.2007 to 12.05.2007 with permission to suffix 13.05.2007 as Sunday holiday.

May 23, 2007

**No. 76/XIV-71/Admin. A/2007**--Sri Gajanand Nautiyal, Special Judicial Magistrate, Rishikesh, Distt. Dehradun, is hereby sanctioned earned leave for 21 days i.e. from 20.04.2007 to 10.05.2007.

May 23, 2007

**No. 77/XIV-90/Admin. A/2007**--Sri Mihlesh Jha, the then Civil Judge (Jr. Div.), Karanprayag, Distt. Chamoli, is hereby sanctioned earned leave for 08 days i.e. from 09.04.2007 to 16.04.2007 with permission to prefix 08.04.2007 as Sunday holiday.

By Order of the Court,

Sd /—

RAVINDRA MAITHANI,  
Additional Registrar.

May 28, 2007

**No. 78/UHC/Admin. A/2007**--Sri Nitin Sharma, Chief Judicial Magistrate, Almora, will also be the Asstt. Sessions Judge [Civil Judge (Sr. Div.)]/F.T.C., Almora, in addition to his duties. However, he will not try Session Trials in that Court.

May 28, 2007

**No. 79/UHC/Admin. A/2007**--Sri Amit Kumar Sirohi, Chief Judicial Magistrate, Rudraprayag, will also be the Civil Judge (Sr. Div.), Rudraprayag, in addition to his duties.

By Order of Hon'ble the Chief Justice,

Sd /—

V.K. MAHESHWARI,  
Registrar General.



## कार्यालय, आयुक्त कर, उत्तराखण्ड (फार्म-अनुभाग)

### विज्ञप्ति

09 मई, 2007 ई०

पत्रांक 457/आयु० कर उत्तरा०/वाणि०क०/स०के०/फार्म-अनुभाग/दे०दून/2007-08-उत्तराखण्ड मूल्य वर्धित कर अधिनियम 2005 के नियम 30 के उपनियम 13 के अन्तर्गत विज्ञापित किया जाता है कि नियम 28 के उपनियम 3 में निर्धारित आयात के लिए घोषणा पत्र (प्ररूप-16) सीरीज संख्या-U.K.VAT-A 2007 (क्रमांक 000001 से 170000 तक) इस कार्यालय की विज्ञप्ति निर्गत होने की तिथि से तत्काल प्रभाव से प्रचलन में आ जायेंगे। और तब तक प्रचलन में रहेंगे जब तक वे इस कार्यालय की किसी विज्ञप्ति के द्वारा अवैध अथवा अप्रचलित घोषित न कर दिये जायें।

उक्त सीरीज एवं क्रमांक के प्ररूप-16 जांच चौकियों पर इसकी उपरोक्त वैधता एवं प्रचलन की अवधि में स्वीकार किये जाते रहेंगे। वर्तमान में प्रचलित आयात घोषणा पत्र (प्ररूप-16) सीरीज-U.A.VAT-A2005 एवं U.A.VAT-A(T) 2006 भी अग्रिम आदेशों तक प्रचलन में बने रहेंगे।

U.K.VAT-A2007 (क्रमांक 000001 से 170000 तक) सीरीज के फार्म 70 GSM के वाटरमार्क मैपलिथो पेपर पर मुद्रित हैं। इसका बैक ग्राउण्ड लाईट ग्रीन तथा बीच में पिक कलर की 10 से०मी० चौड़ी पट्टी है। इसकी मूल प्रति 15 से०मी० द्वितीय प्रति 15 से०मी० एवं प्रतिपत्र प्रति 12 से०मी० कुल तीन प्रतियों में 42 से०मी० × 29.7 से०मी० के साईज में पांच रंगों में छापा गया है। प्रत्येक प्रति के उपरी हिस्से पर ग्रीन कलर में उत्तराखण्ड शासन का लोगो बना है। फार्म की मूल प्रति के उपर दाहिने तरफ चार ब्लू कलर के बर्टिकल बॉक्स बनाये गये हैं तथा इनमें A, B, C, D अंकित किया गया है। कर निर्धारण कार्यालय का कोड अंकित करने के लिए मूल प्रति के नीचे दाहिने तरफ क्रमशः 0 से 2 एवं 0 से 9 तक ऐसे बॉक्स बनाये गये हैं जिनमें क्रमशः 0 से 2 तथा 0 से 9 तक के क्रमांक अंकित हैं तथा इनके दाहिनी तरफ एक-एक स्टार बनाये गये हैं। इसकी बैक ग्राउण्ड में वाणिज्य कर विभाग, उत्तराखण्ड मुद्रित है। प्रत्येक प्रति के बैक ग्राउण्ड में उत्तराखण्ड शासन की सील सर्किल में मुद्रित है। व्यापारी का नाम, पता, माल का विवरण, फार्म का नम्बर आदि छपने वाले स्थान की बैक ग्राउण्ड प्रिंटिंग इस प्रकार की गई है कि एल्कोहल या इंक रिमूवर से टैम्परिंग करने पर स्वतः मिट जाय फार्मों की छपाई एण्टी फोटो कापियर प्रिंटिंग है। फार्मों के क्रमांक वाला बॉक्स फ्लोरोसेंट इंक द्वारा छापा गया है। इस इंक द्वारा छापा हुआ बॉक्स अल्ट्रा वायलेट किरणों से देखने पर चमकेगा। फार्मों का क्रमांक Penetrating ink से मुद्रित किया गया है।

09 मई, 2007 ई०

पत्रांक 458/आयु० कर उत्तरा०/वाणि०क०/स०के०/फार्म-अनुभाग/दे०दून/2007-08-केन्द्रीय बिक्री कर, उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश) नियमावली, 1957 अनुकूलन एवम् उपान्तरण आदेश, 2002 के नियम 8(14) में निर्धारित व्यवस्था के अन्तर्गत एतद्वारा विज्ञापित किया जाता है कि (रजिस्ट्रीकरण और आवर्त) नियम, 1957 के नियम 12(1) में निर्धारित घोषणा पत्र (फार्म-सी) U.K.VAT/C-2007 (क्रमांक 000001 से 100000 तक) इस कार्यालय की विज्ञप्ति निर्गत होने की तिथि से तत्काल प्रभाव से प्रचलन में आ जायेंगे। वर्तमान में प्रचलित सीरीज VAT.U.A/C-2005D (क्रमांक 100001 से 130000 तक) तथा VAT.U.A/D(T)-2006 (क्रमांक 000001 से 150000 तक) के फार्म-सी भी प्रचलन में बने रहेंगे।

U.K.VAT/C-2007 (क्रमांक 000001 से 100000 तक) सीरीज के फार्म-सी 70 GSM के वाटरमार्क मैपलिथो पेपर पर मुद्रित हैं। इसकी बैक ग्राउण्ड लाईट ब्लू तथा बीच में लाईट ब्राउन की एक 11 से०मी० चौड़ी पट्टी है। प्रत्येक प्रति के बैक ग्राउण्ड में "भारत सरकार" व Govt Of India छापा है। बीच में भारत सरकार की अशोक की लाट बनी है। यह मूल प्रति 15 से०मी० द्वितीय प्रति 15 से०मी० एवं प्रतिपत्र प्रति 12 से०मी० कुल तीन प्रतियों में 42 से०मी० × 29.7 से०मी० के साईज में दो रंगों में छापा गया है। इसके अन्दर चार सिक्कोरिटी फीचर्स रखे गये हैं। फार्मों की छपाई एण्टी फोटो कापियर प्रिंटिंग है। फार्मों के क्रमांक वाला बॉक्स फ्लोरोसेंट इंक द्वारा छापा गया है इस इंक द्वारा छापा हुआ बॉक्स अल्ट्रा वायलेट किरणों से देखने पर चमकेगा। फार्मों का क्रमांक Penetrating ink से मुद्रित किया गया है।



08 मई, 2007 ई०

पत्रांक 486/आयु० कर उत्तरा०/फार्म-अनु०/2006-07/आ०घो०प०/फार्म-सी/टिकट/खोया/चोरी/नष्ट हुए/दे०दून-उत्तर प्रदेश व्यापार कर नियमावली, 1948 (यथा उत्तराखण्ड में लागू) के नियम 85 के उपनियम (12) सहपठित उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर अध्यादेश, 2005, नियम 31(8) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके, मैं, आयुक्त कर, उत्तराखण्ड, निम्नलिखित सूची में उल्लिखित आयात घोषणा-पत्र/फार्म-सी/फार्म-एफ/टिकट जिनके खो जाने/चोरी हो जाने अथवा नष्ट हो जाने के सम्बन्ध में नियम 85 के उपनियम (9) के अन्तर्गत सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, को तत्कालिक प्रभाव से अवैध घोषित करता हूँ :-

क्र०सं०	व्यापारी का नाम व पता	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों की संख्या	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों/टिकटों का क्रमांक
1	2	3	4
1.	सर्वश्री यू० टैक, इन्डिया, प्रा०लि०, ज्वालापुर, हरिद्वार	प्ररूप-16 (आ०घो०प०) संख्या-05	UT/B-272090, 91 UM/D-010019, 119692 U.A. VAT-A05-169866

19 मई, 2007 ई०

पत्रांक 560/आयु० कर उत्तरा०/फार्म-अनु०/2007-08/आ०घो०प०/फार्म-सी/टिकट/खोया/चोरी/नष्ट हुए/दे०दून-उत्तर प्रदेश व्यापार कर नियमावली, 1948 (यथा उत्तराखण्ड में लागू) के नियम 85 के उपनियम (12) सहपठित उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर अध्यादेश, 2005, नियम 31(8) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके, मैं, आयुक्त कर, उत्तराखण्ड, निम्नलिखित सूची में उल्लिखित आयात घोषणा-पत्र/फार्म-सी/फार्म-एफ/टिकट जिनके खो जाने/चोरी हो जाने अथवा नष्ट हो जाने के सम्बन्ध में नियम 85 के उपनियम (9) के अन्तर्गत सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, को तत्कालिक प्रभाव से अवैध घोषित करता हूँ :-

क्र०सं०	व्यापारी का नाम व पता	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों की संख्या	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों/टिकटों का क्रमांक
1	2	3	4
1.	सर्वश्री निम्पो बैटरी कम्पनी लि०, रामपुर रोड, हल्द्वानी (नैनीताल)	प्ररूप-16 (आ०घो०प०) संख्या-20	U.A. VAT-A(T) 2006 क्रमांक-125094 से 125113 तक

एल०एम० पन्त,

आयुक्त कर,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

## कार्यालय, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार, संभाग पौड़ी

. कार्यालयादेश

03 मई, 2007 ई०

पत्रांक 68/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/06-श्री श्याम स्वरूप, पुत्र श्री शंकर दत्त, निवासी ग्राम देवरामपुर, पो० पदमपुर कोटद्वार, जगपद पौड़ी का लाईसेंस सं० 714/के०टी०डब्ल्यू/90 इस कार्यालय द्वारा जारी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार ने उपरोक्त वाहन चालक के द्वारा संचालित वाहन सं० यू०पी०-06-2296 टैक्सी का चालान दि० 12-04-2007 को वाहन में क्षमता से (07 के स्थान पर 14) अधिक सवारियां दोने में किया है। वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। सहा० संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार के द्वारा उपरोक्त वाहन चालक के लाईसेंस के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी है। इस संबंध में वाहन चालक को इस कार्यालय के पत्र सं० 12/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/07, दि० 16-04-2007 को पत्र प्रेषित करते हुए



अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु मौका प्रदान किया। वाहन चालक कार्यालय के उपरोक्त पत्र के संदर्भ में दि० 25-4-2007 को इस कार्यालय में उपस्थित हुए हैं।

अतः इस संबंध में चालक द्वारा की गई अनियमितता के लिये, मैं, सुनीता सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी लाईसेंसिंग अधिकारी, कोटद्वार के रूप में चालक लाईसेंस सं० 714/के०टी०डब्लू/90 को केन्द्रीय मोटरयान गाड़ी अधिनियम, 1988 की धारा 22 (1) के अन्तर्गत एतद्द्वारा तात्कालिक प्रभाव से 02 माह की अवधि के लिये निलम्बित करती हूँ।

03 मई, 2007 ई०

पत्रांक 69/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/06-श्री महेन्द्र सिंह, पुत्र श्री इन्द्र सिंह, निवासी देवी नगर काशीरामपुर ताल्ला, कोटद्वार जनपद पौड़ी का लाईसेंस सं० 1551/के०टी०डब्लू/81 इस कार्यालय द्वारा जारी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार ने उपरोक्त वाहन चालक के द्वारा संचालित वाहन सं० यू०पी०-06-2376 टैक्सी का चालान दि० 22-03-2007 को वाहन में क्षमता से (07 के स्थान पर 12) अधिक सवारियाँ ढोने में किया है। वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। सहा० संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार के द्वारा उपरोक्त वाहन चालक के लाईसेंस के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी है। इस संबंध में वाहन चालक को इस कार्यालय के पत्र सं० 12/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/07, दि० 10-04-2007 को पत्र प्रेषित करते हुए अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु मौका प्रदान किया। वाहन चालक कार्यालय के उपरोक्त पत्र के संदर्भ में दि० 21-4-2007 को इस कार्यालय में उपस्थित हुए हैं।

अतः इस संबंध में चालक द्वारा की गई अनियमितता के लिये, मैं, सुनीता सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी लाईसेंसिंग अधिकारी, कोटद्वार के रूप में चालक लाईसेंस सं० 1551/के०टी०डब्लू/81 को केन्द्रीय मोटरयान गाड़ी अधिनियम, 1988 की धारा 22 (1) के अन्तर्गत एतद्द्वारा तात्कालिक प्रभाव से 02 माह की अवधि के लिये निलम्बित करती हूँ।

14 मई, 2007 ई०

पत्रांक 89/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/07-श्री प्रदीप कुमार, पुत्र श्री सुदामा प्रसाद, निवासी-जीरपुर, पो० कुम्भीचौड़ कोटद्वार, जनपद पौड़ी का लाईसेंस सं० 162/के०टी०डब्लू/90 इस कार्यालय द्वारा जारी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार ने उपरोक्त वाहन चालक के द्वारा संचालित वाहन सं० यू०पी०-04-6378 टैक्सी का चालान दि० 12-04-2007 को वाहन में क्षमता से (07 के स्थान पर 13) अधिक सवारियाँ ढोने में किया है। वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। सहा० संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार के द्वारा उपरोक्त वाहन चालक के लाईसेंस के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी है। इस संबंध में वाहन चालक को इस कार्यालय के पत्र सं० 11/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/07, दि० 16-04-2007 को पत्र प्रेषित करते हुए अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु मौका प्रदान किया। वाहन चालक कार्यालय के उपरोक्त पत्र के संदर्भ में दि० 3-5-2007 को इस कार्यालय में उपस्थित हुए हैं।

अतः इस संबंध में चालक द्वारा की गई अनियमितता के लिये, मैं, सुनीता सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी लाईसेंसिंग अधिकारी, कोटद्वार के रूप में चालक लाईसेंस सं० पी-162/के०टी०डब्लू/90 को केन्द्रीय मोटरयान गाड़ी अधिनियम, 1988 की धारा 22 (1) के अन्तर्गत एतद्द्वारा तात्कालिक प्रभाव से 02 माह की अवधि के लिये निलम्बित करती हूँ।

14 मई, 2007 ई०

पत्रांक 90/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/07-श्री विनोद सिंह, पुत्र श्री आनन्द सिंह, निवासी विशनपुर, पो० कुम्भीचौड़ कोटद्वार, जनपद पौड़ी का लाईसेंस सं० वी-321/के०टी०डब्लू/04 इस कार्यालय द्वारा जारी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार ने उपरोक्त वाहन चालक के द्वारा संचालित वाहन सं० यू०ए०-12-8411 ऑटोरिक्षा का चालान दि० 03-04-2007 को वाहन में क्षमता से (04 के स्थान पर 10) अधिक सवारियाँ ढोने में किया है। वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। सहा० संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार के द्वारा उपरोक्त वाहन चालक के लाईसेंस के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी है। इस संबंध में वाहन चालक को इस कार्यालय के पत्र सं० 18/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/07, दि० 10-04-2007 को पत्र प्रेषित करते हुए



अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु मौका प्रदान किया। वाहन चालक कार्यालय के उपरोक्त पत्र के संदर्भ में दि० 30-4-2007 को इस कार्यालय में उपस्थित हुए हैं।

अतः इस संबंध में चालक द्वारा की गई अनियमितता के लिये, मैं, सुनीता सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी लाईसेंसिंग अधिकारी, कोटद्वार के रूप में चालक लाईसेंस सं० वी-321/के०टी०डब्लू/99 को केन्द्रीय मोटरयान गाड़ी अधिनियम, 1988 की धारा 22 (1) के अन्तर्गत एतद्द्वारा तात्कालिक प्रभाव से 02 माह की अवधि के लिये निलम्बित करती हूँ।

14 मई, 2007 ई०

पत्रांक 91/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/07-श्री धर्मेन्द्र सिंह नेनी, पुत्र श्री गंगा सिंह, निवासी जोगियाणा, पो० दुमडुडा, जनपद पौड़ी का लाईसेंस सं० डी-241/के०टी०डब्लू/90 इस कार्यालय द्वारा जारी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार ने उपरोक्त वाहन चालक के द्वारा संचालित वाहन सं० यू०पी०-08-4741 टैक्सी का चालान दि० 16-04-2007 को वाहन में क्षमता से 10 अधिक सवारियाँ डोने में किया है। वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। सह्या संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार के द्वारा उपरोक्त वाहन चालक के लाईसेंस के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी है। इस संबंध में वाहन चालक को इस कार्यालय के पत्र सं० 50/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/07, दि० 27-04-2007 को पत्र प्रेषित करते हुए अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु मौका प्रदान किया। वाहन चालक कार्यालय के उपरोक्त पत्र के संदर्भ में दि० 8-5-2007 को इस कार्यालय में उपस्थित हुए हैं।

अतः इस संबंध में चालक द्वारा की गई अनियमितता के लिये, मैं, सुनीता सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी लाईसेंसिंग अधिकारी, कोटद्वार के रूप में चालक लाईसेंस सं० डी-241/के०टी०डब्लू/90 को केन्द्रीय मोटरयान गाड़ी अधिनियम, 1988 की धारा 22 (1) के अन्तर्गत एतद्द्वारा तात्कालिक प्रभाव से 02 माह की अवधि के लिये निलम्बित करती हूँ।

14 मई, 2007 ई०

पत्रांक 92/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/07-श्री वसवन्त सिंह, पुत्र श्री आलम सिंह, निवासी-सैलानी, पो० हनुमन्ती, जनपद पौड़ी का लाईसेंस सं० 3573/के०टी०डब्लू/93 इस कार्यालय द्वारा जारी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार ने उपरोक्त वाहन चालक के द्वारा संचालित वाहन सं० यू०पी०-14आए-7246 बस का चालान दि० 16-04-2007 को वाहन में क्षमता से 12 अधिक सवारियाँ डोने में किया है। वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। सह्या संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार के द्वारा उपरोक्त वाहन चालक के लाईसेंस के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी है। इस संबंध में वाहन चालक को इस कार्यालय के पत्र सं० 49/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/07, दि० 27-04-2007 को पत्र प्रेषित करते हुए अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु मौका प्रदान किया। वाहन चालक कार्यालय के उपरोक्त पत्र के संदर्भ में दि० 5-5-2007 को इस कार्यालय में उपस्थित हुए हैं।

अतः इस संबंध में चालक द्वारा की गई अनियमितता के लिये, मैं, सुनीता सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी लाईसेंसिंग अधिकारी, कोटद्वार के रूप में चालक लाईसेंस सं० 3573/के०टी०डब्लू/93 को केन्द्रीय मोटरयान गाड़ी अधिनियम, 1988 की धारा 22 (1) के अन्तर्गत एतद्द्वारा तात्कालिक प्रभाव से 02 माह की अवधि के लिये निलम्बित करती हूँ।

14 अप्रैल, 2007 ई०

पत्रांक 93/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/07-श्री जितेन्द्र सिंह, पुत्र श्री जसवंत सिंह, निवासी ग्राम कुन्डारी पिनाकी पट्टी धुडियालस्यू, पौड़ी गढ़वाल का लाईसेंस सं० जे०-225/के०टी०डब्लू/2001 इस कार्यालय द्वारा जारी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन, पौड़ी ने सूचित किया है वाहन सं० यू०ए०-12-8228 मैक्सी कॅब का चालान उनके द्वारा दि० 08-04-2007 को वाहन को संकेत देने पर वाहन न रोकने के अपराध में किया गया है। सह्या संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी के द्वारा उपरोक्त वाहन चालक के लाईसेंस के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी है। कार्यालय द्वारा वाहन चालक को कार्यालय पत्र सं० मेमो/प्रवर्तन/लाईसेंस/07, दि० 27-4-2007 प्रेषित कर अपना पक्ष रखने हेतु मौका प्रदान किया गया। कार्यालय पत्र के संबंध में वाहन चालक ने इस कार्यालय में



दि० 8-5-2007 को उपस्थित होकर अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत किया है।

अतः इस संबंध में चालक द्वारा की गई अनियमितता के लिये, मैं, सुनीता सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी लाईसेंसिंग अधिकारी, कोटद्वार के रूप में चालक लाईसेंस सं० जे०-225/के०टी०डब्ल्यू/०6 को केन्द्रीय मोटरवाहन गाड़ी अधिनियम, 1988 की धारा 22 (1) के अन्तर्गत एतद्वारा तात्कालिक प्रभाव से 02 माह की अवधि के लिये निलम्बित करती हूँ।

ह० (अस्पष्ट),  
संभागीय परिवहन अधिकारी,  
पौड़ी।

## कार्यालय, संभागीय परिवहन अधिकारी, देहरादून संभाग, देहरादून

कार्यालयादेश

03 अप्रैल, 2007 ई०

पत्रांक 101/प्रशासन/लाईसेंस निरस्त/०7-श्री पूरन सिंह, पुत्र श्री भरत सिंह, निवासी खाला गांव, राजपुर, देहरादून द्वारा शराब पीकर पर्वतीय मार्ग पर न्यूट्रल में वाहन चलाने के अभियोग में किये गये वाहन के वालान के फलस्वरूप सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), देहरादून द्वारा उपरोक्त चालक के लाईसेंस संख्या-23975/डीडी/97, जो कि इस कार्यालय द्वारा जारी किया गया है, के विरुद्ध निरस्तीकरण की कार्यवाही हेतु संस्तुति की गयी थी। इस सम्बन्ध में लाईसेंसधारक को कार्यालय द्वारा दिनांक 12-06-2006 को पंजीकृत डाक से सुनवाई हेतु नोटिस जारी किया गया था, जिस पर चालक आज दिनांक 03-04-2007 को सुनवाई हेतु उपस्थित हुए किन्तु उक्त सम्बन्ध में वह कोई संतुष्टिजनक उत्तर नहीं दे पाये। चालक द्वारा शराब पीकर न्यूट्रल में वाहन का संचालन कर आम जनता की सुरक्षा को खतरे में डाला गया है, जो अत्यन्त गंभीर अनियमितता है।

अतः लाईसेंस अधिकारी के रूप में, मैं, अर्जुन सिंह गुंज्याल, संभागीय परिवहन अधिकारी, देहरादून मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 19 की उपधारा (1) (ए) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त चालक के लाईसेंस संख्या-23975/डीडी/97 को निरस्त करता हूँ।

अर्जुन सिंह गुंज्याल,  
संभागीय परिवहन अधिकारी,  
देहरादून।

## कार्यालय, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार संभाग पौड़ी

कार्यालयादेश

28 मई, 2007 ई०

पत्रांक 124/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/०7-श्री घनजय कुमार, पुत्र श्री विशम्बर सिंह, निवासी हल्दुखाता, पो० कलालघाटी कोटद्वार, जनपद पौड़ी, का लाईसेंस सं० डी-1132/के०टी०डब्ल्यू/०6 इस कार्यालय द्वारा जारी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार ने उपरोक्त वाहन चालक के द्वारा संचालित वाहन सं० यू०पी०-०6-०504 पिकअप वाहन का वालान दि० 04-05-2007 को वाहन में क्षमता से (03 के स्थान पर 17) अधिक सवारियां ढोने में किया है। वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। सहा० संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार के द्वारा उपरोक्त वाहन चालक के लाईसेंस के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी है। इस संबंध में वाहन चालक को इस कार्यालय के पत्र सं० 80/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/०7, दि० 09-05-2007 को पत्र प्रेषित करते हुए अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु मौका प्रदान किया। वाहन चालक कार्यालय के उपरोक्त पत्र के संदर्भ में दि० 19-5-2007 को इस कार्यालय में उपस्थित हुए हैं।



अतः इस संबंध में चालक द्वारा की गई अनियमितता के लिये, मैं, सुनीता सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी लाईसेंसिंग अधिकारी कोटद्वार के रूप में चालक लाईसेंस सं० 2261/के०टी०डब्लू/०5 को केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 22 (1) के अन्तर्गत एतद्वारा तात्कालिक प्रभाव से 02 माह की अवधि के लिये निलम्बित करती हूँ।

28 मई, 2007 ई०

पत्रांक 125/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/०7-श्री अशोक कुमार पुत्र श्री चण्डी प्रसाद, निवासी ग्राम पट्टेर गांव, पो० लेन्सडाउन, जनपद पौड़ी का लाईसेंस सं० ए-1225/के०टी०डब्लू/०4 इस कार्यालय द्वारा जारी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार ने उपरोक्त वाहन चालक के द्वारा संचालित वाहन सं० यू०पी०-०6-2288 पिकअप वाहन का चालान दि० 28-04-2007 को वाहन में क्षमता से (03 के स्थान पर 14) अधिक सवारियां ढोने में किया है। वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। सहा० संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार के द्वारा उपरोक्त वाहन चालक के लाईसेंस के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी है। इस संबंध में वाहन चालक को इस कार्यालय के पत्र सं० 79/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/०7, दि० 09-05-2007 को पत्र प्रेषित करते हुए अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु मौका प्रदान किया। वाहन चालक कार्यालय पत्र के अनुपालन में दि० 18-5-2007 को इस कार्यालय में उपस्थित हुए हैं।

अतः इस संबंध में चालक द्वारा की गई अनियमितता के लिये, मैं, सुनीता सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी पौड़ी लाईसेंसिंग अधिकारी, कोटद्वार के रूप में चालक लाईसेंस सं० आर-1129/के०टी०डब्लू/०4 को केन्द्रीय मोटरयान गाड़ी अधिनियम, 1988 की धारा 22 (1) के अन्तर्गत एतद्वारा तात्कालिक प्रभाव से 02 माह की अवधि के लिये निलम्बित करती हूँ।

24 मार्च, 2007 ई०

पत्रांक 243/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/०7-श्री आनन्द मोहन, पुत्र श्री धनश्याम, निवासी ग्राम पडोला, पो० बनचौली, पौड़ी गढ़वाल का लाईसेंस सं० ए-804/के०टी०डब्लू/०2 इस कार्यालय द्वारा जारी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन, कोटद्वार ने सूचित किया है वाहन सं० यू०ए०-12-1104 टैक्सी कैब का चालान उनके द्वारा दि० 09-03-2007 को वाहन में 06 के स्थान पर 11 सवारियां ढोने में किया गया है। वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। सहा० संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार के द्वारा उपरोक्त वाहन चालक के लाईसेंस के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी है। कार्यालय द्वारा वाहन चालक को कार्यालय पत्र सं० 214/प्रवर्तन/लाईसेंस/०7, दि० 13-3-2007 प्रेषित कर अपना पक्ष रखने हेतु मौका प्रदान किया गया। कार्यालय पत्र के संबंध में वाहन चालक ने इस कार्यालय में दि० 22-3-2007 को उपस्थित होकर अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत किया है।

अतः इस संबंध में चालक द्वारा की गई अनियमितता के लिये, मैं, सुनीता सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी लाईसेंसिंग अधिकारी, कोटद्वार के रूप में चालक लाईसेंस सं० डी-682/के०टी०डब्लू/०3 को केन्द्रीय मोटरयान गाड़ी अधिनियम, 1988 की धारा 22 (1) के अन्तर्गत एतद्वारा तात्कालिक प्रभाव से 02 माह की अवधि के लिये निलम्बित करती हूँ।

24 मार्च, 2007 ई०

पत्रांक 249/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/०7-श्री भारत सिंह, पुत्र श्री जगत सिंह, निवासी ग्राम पडोला, पो० बनचौली, पौड़ी गढ़वाल का लाईसेंस सं० बी-66/के०टी०डब्लू/९7 इस कार्यालय द्वारा जारी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन, कोटद्वार ने सूचित किया है वाहन सं० यू०ए०-12-0835 टैक्सी कैब का चालान उनके द्वारा दि० 09-03-2007 को वाहन में 06 के स्थान पर 13 सवारियां ढोने में किया गया है। वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। सहा० संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार के द्वारा उपरोक्त वाहन चालक के लाईसेंस के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी है। कार्यालय द्वारा वाहन चालक को कार्यालय पत्र सं० 213/प्रवर्तन/लाईसेंस/०7, दि० 13-3-2007 प्रेषित कर अपना पक्ष रखने हेतु मौका प्रदान किया गया। कार्यालय पत्र के संबंध में वाहन चालक ने इस कार्यालय में दि० 22-3-2007 को उपस्थित होकर अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत किया है।

अतः इस संबंध में चालक द्वारा की गई अनियमितता के लिये, मैं, सुनीता सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी लाईसेंसिंग अधिकारी, कोटद्वार के रूप में चालक लाईसेंस सं० डी-682/के०टी०डब्लू/०3 को केन्द्रीय मोटरयान गाड़ी अधिनियम, 1988 की धारा 22 (1) के अन्तर्गत एतद्वारा तात्कालिक प्रभाव से 02 माह की अवधि के लिये निलम्बित करती हूँ।



मार्च, 2007 ई०

पत्रांक 260/प्रशासन/प्रवर्तन-लाईसेंस/07-श्री दिग्विजय सिंह, पुत्र श्री हर्ष सिंह, निवासी ग्राम त्रिलोकपुरी, पो०ओ० कलालघाटी कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल का लाईसेंस सं० डी-682/कै०टी०डब्लू/02 इस कार्यालय द्वारा जारी है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन, कोटद्वार ने सूचित किया है, वाहन सं० यू०पी०-06-4704 टैक्सी कैब का चालक उनके द्वारा दि० 08-03-2007 को वाहन में 06 के स्थान पर 14 सवारियां दोने में किया गया है। वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। सहा० संभागीय परिवहन अधिकारी, कोटद्वार के द्वारा उपरोक्त वाहन चालक के लाईसेंस के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने की संस्तुति की गयी है। इस संबंध में वाहन चालक अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु दि० 13-3-2007 को इस कार्यालय में उपस्थित हुए हैं।

अतः इस संबंध में चालक द्वारा की गई अनियमितता के लिये, मैं, सुनीता सिंह, संभागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी लाईसेंसिंग अधिकारी, कोटद्वार के रूप में चालक लाईसेंस सं० डी-682/कै०टी०डब्लू/03 को केन्द्रीय मोटरयान गाड़ी अधिनियम, 1988 की धारा 22 (1) के अन्तर्गत एतद्वारा तात्कालिक प्रभाव से 02 माह की अवधि के लिये निलम्बित करती हूँ।

ह० (अस्पष्ट),  
संभागीय परिवहन अधिकारी,  
पौड़ी।

## कार्यालय, संभागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी

कार्यालयादेश

13 अप्रैल, 2007 ई०

पत्रांक 1624/प्रशासन/लाईसेंस निरस्त/07-श्री प्रहलाद सिंह मेहता, पुत्र श्री दिवान सिंह मेहता, निवासी ग्राम सेरीकांडा, पो० गुरना, जिला पिथौरागढ़ द्वारा दिनांक 24-05-2005 को जीप संख्या-यूए०5-3990 लापरवाही से चलाये जाने के फलस्वरूप झूलाघाट-पिथौरागढ़ मोटर मार्ग पर दुर्घटना हो गयी। जिलाधिकारी महोदय, पिथौरागढ़ द्वारा मजिस्ट्रेटी जांच आख्या में चालक लाईसेंस संख्या-19974/के/2002 के विरुद्ध निरस्तीकरण हेतु कार्यवाही की संस्तुति की गई।

अतः, मैं, एस०के० सिंह, लाईसेंसिंग अधिकारी/संभागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 19 उप-धारा(1)(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त चालक के लाईसेंस संख्या-19974/के/2002 को निरस्त करता हूँ।

22 मई, 2007 ई०

पत्रांक 1741/प्रशासन/लाईसेंस निरस्त/07-श्री सुरेश चन्द्र, पुत्र श्री उमापति भट्ट, निवासी मण्डारी गांव, जिला पिथौरागढ़ द्वारा दिनांक 30-09-2006 को मैक्सी कैब सं० यू०पी०-03-3877 लापरवाही से चलाये जाने के फलस्वरूप पिथौरागढ़-थल मोटर मार्ग के समीप सुवालेक नामक स्थान पर दुर्घटना हो गयी। जिलाधिकारी महोदय, पिथौरागढ़ द्वारा मजिस्ट्रेटी जांच आख्या में चालक लाईसेंस संख्या-एस-8062/कै०/2000 के विरुद्ध निरस्तीकरण हेतु कार्यवाही की संस्तुति की गई।

अतः, मैं, एस०के० सिंह, लाईसेंसिंग प्राधिकारी/संभागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 19 उप-धारा(1)(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का अधिकारी/संभागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 19 उप धारा(1)(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त चालक के लाईसेंस संख्या-एस-8062/कै०/2000 को निरस्त करता हूँ।

एस० के० सिंह,  
संभागीय परिवहन अधिकारी,  
हल्द्वानी।

पी०एस०यू० (आर०ई०) 23 हिन्दी गजट/247-भाग 1-क-2007 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-उप निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।